पत्र सूचना शाखा

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

हिन्दी के विकास के लिये सरल और सहज भाषा का प्रयोग करें-राज्यपाल

लखनऊः 19 नवम्बर, 2014

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल, श्री राम नाईक ने आज राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा लखनऊ में उत्तरीय क्षेत्रों के संयुक्त राजभाषा सम्मेलन में अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि हिन्दी के विकास के लिये सरल, सहज और आम बोलचाल की भाषा का प्रयोग करना चाहिये। हिन्दी की मान्यता लोक मान्यता है। ज्यादातर लोग ऐसे हैं जो हिन्दी बोलते व समझते हैं। सरकारी कामकाज में सरल एवं सहज हिन्दी से व्यापकता आती है।

श्री नाईक ने कहा कि इच्छा शक्ति के माध्यम से राजभाषा का प्रसार हो सकता है। हिन्दी में काम करने के लिये सबको जोड़कर प्रोत्साहित करने की जरूरत है। देश की समस्त भाषाओं के लिये हिन्दी बड़ी बहन की तरह है इसलिये सभी भाषाओं को साथ लेकर चलने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि अन्य भाषाओं के अच्छे साहित्य का हिन्दी में रूपान्तरण होना चाहिये। उन्हांेने कहा कि हिन्दी में ज्यादा सहजता से संवाद हो सकता है। उन्हांेने यह भी कहा कि हिन्दी को जनभाषा व लोकप्रिय बनाने में फिल्म जगत की महत्वपूर्ण भूमिका है।

सचिव, राजभाषा, सुश्री नीता चैधरी ने कहा कि केन्द्र सरकार के अधीन आने वाले कई विभागों ने हिन्दी में काम करना आरम्भ कर दिया है। हिन्दी को दिल में रखकर आसान हिन्दी का प्रयोग करें। उन्होंने कहा कि आम बोलचाल की भाषा में हिन्दी का विस्तार किया जा सकता है।

राज्यपाल ने इस अवसर पर पुरस्कार विजेताओं व उपस्थित अधिकारीयों व कर्मचारियों को सफलता एवं व्यक्तित्व विकास हेतु चार गुरूमंत्र दिये जो उनके गुरू ने उन्हें दिये थे। उन्हांेने इस अवसर पर एक विभागीय पत्रिका का भी विमोचन किया। राज्यपाल ने सम्मेलन में हिन्दी में काम करने वाले चयनित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को शील्ड व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

क-क्षेत्र के कार्यालय में केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, नई दिल्ली के महानिरीक्षक, श्री वेद प्रकाश को प्रथम, महानिदेशक, लेखा परीक्षा, नई दिल्ली के वरिष्ठ लेखा परीक्षा अधिकारी, श्री राजीव कक्कड़ को द्वितीय तथा कर्मचारी राज्य बीमा निगम, क्षेत्रीय कार्यालय, फरीदाबाद के क्षेत्रीय निदेशक, श्री एस0 विश्वास को तृतीय पुरस्कार। क-क्षेत्र के उपक्रम भारतीय जीवन बीमा निगम, उत्तर क्षेत्रीय कार्यालय, नई दिल्ली के प्रादेशिक प्रबन्धक, श्री के0आर0 मीना को प्रथम, नेशनल फर्टिलाईजर्स लि0, पानीपत के मुख्य महाप्रबन्धक, श्री एस0के0 जिन्दल को द्वितीय तथा भारतीय जीवन बीमा निगम, मण्डल कार्यालय-द्वितीय, दिल्ली की प्रशासनिक अधिकारी, श्रीमती रजनीश पराशन को तृतीय पुरस्कार, क-क्षेत्र के राष्ट्रीयकृत बैंकों में यूनियन बैंक आॅफ इण्डिया, क्षेत्रीय कार्यालय, करनाल के उप महाप्रबन्धक, श्री आर0के0 जागलान को प्रथम, पंजाब नेशनल बैंक, क्षेत्रीय कार्यालय, धर्मशाला के प्रबन्धक, श्रीमती इन्दु ठाकुर को द्वितीय तथा पंजाब नेशनल बैंक, मण्डल कार्यालय, दक्षिणी दिल्ली, के मंडल प्रमुख, श्री सुधीर चैधरी को तृतीय, क-क्षेत्र मे स्थित नगर राजभाषा कार्यान्वयन समितियों में पंजाब नेशनल बैंक, दिल्ली के सहायक महाप्रबन्धक, श्री प्रेम चन्द्र शर्मा को प्रथम, कार्यपालक निदेशक एवं अध्यक्ष, पानीपत, श्री टी0के0 बसाक को द्वितीय। ख-क्षेत्र के कार्यालय राष्ट्रीय आयुर्वेदिक भेषज अनुसंधान संस्थान पटियाला के संस्थान प्रभारी, डा0 राजेश संड को प्रथम, प्रधान मुख्य आयकर आयुक्त, चंडीगढ़ के सहायक निदेशक, डा0 सुरेन्द्र कुमार शर्मा को द्वितीय तथा श्रम ब्यूरो, चंडीगढ़ के निदेशक श्री ज्ञानचन्द्र सैनी को तृतीय, ख-क्षेत्र के

उपक्रम भारतीय जीवन बीमा निगम, मंडल कार्यालय, चंडीगढ़ की प्रबन्धक, सुश्री रमेश कुमारी को प्रथम, हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन लि0 चंडीगढ़ के वरिष्ठ क्षेत्रीय प्रबन्धक, श्री शुभेंद्रु मोहंती को द्वितीय, ख-क्षेत्र के बैंक यूनियन बैंक आफ इण्डिया, क्षेत्रीय कार्यालय, जालंधर के उप महाप्रबन्धक, श्री एच0पी0एस0 गुगलानी, पंजाब एण्ड सिंध बैंक, अचंल कार्यालय, चंडीगढ़ के क्षेत्री प्रबन्धक, श्री टी0पी0एस0 वालिया को द्वितीय, पंजाब नेशनल बैंक, मण्डल कार्यालय, होशियापुर की राजभाषा अधिकारी, सुश्री शिल्पी कश्यप को तृतीय, ख-क्षेत्र नगर राजभाषा कार्यान्यवन समिति में सहायक निदेशक, श्रीमती किरण साहनी, लुधियाना को प्रथम, सहायक निदेशक, डा0 सुरेन्द कुमार शर्मा, चंडीगढ़ को द्वितीय, श्री बृज मोहन आर्य, वरिष्ठ प्रबन्धक को तृतीय पुरस्कार दिये गये।

इसी प्रकार ग-क्षेत्र के कार्यालय में, श्री हरिदंर सिंह, श्री गौरव सिंह, श्री एन0के0सिंह, श्री एस0डी0 जोशी, श्री अजय सिंह, डा0राजबीर सिंह ,श्री जगदीश लाल, श्री भवेश खन्ना, श्रीमती जसबीर चैधरी, डा0 अमर सिंह, श्री हरिंदर सिंह, श्री अनिल कुमार गुप्ता, श्री विन्देश्वर सिंह, श्री अनुज किशोर प्रसाद, श्री हरिबंश कुमार कटियार, श्रीमती एन0 सैन्नि सुब्बु, श्री भगवान सिंह, श्री निर्मेष कुमार, श्री वी0के0 जैन, श्री मनोहर दत्त, श्री एस0 गांगुल, श्री कर्नम शेखर तथा श्री अरूण कुमार वर्मा को सम्मानित किया गया।

सुश्री लीला चौधरी
सचिव, राजभाषा विभाग
राज्यपाल

उत्तरी क्षेत्रों का संयुक्त राजभाषा सम्मेलन
JOINT OFFICIAL LANGUAGE CONFERENCE FOR NORTHERN REGIONS
राजभाषा विभाग
गृह मंत्रालय
उत्तरी क्षेत्रों का
संयुक्त राजभाषा सम्मेलन
राजभाषा विभाग
गृह मंत्रालय
भारत सरकार